संत थॉमस स्कूल, धुर्वा, राँची
सत्र (2020-21)

विषय - हिंदी
कक्षा - 6

पुस्तक - मंथन **पाठ - 18 (हृदय परिवर्तन)**

मौखिक

1) चाँद की चाँदनी में श्लेष को क्या दिखाई दिया ?

उत्तर - चाँद की चाँदनी में श्लेष को एक मानवकृति, जो ऊँची काँचदार चारदीवारी से कूदकर अंदर आना चाह रही थी जिसके पैरों से टप-टप कोई द्रव गिर रहा था दिखाई दिया ।

2) यह जानते हुए भी कि आदमी चोर है, श्लेष ने ऐसा क्यों कहा कि वह चिल्ला नहीं सकता ?

उत्तर - यह जानते हुए कि आदमी चोर है श्लेष ने कहा कि वह चिल्ला नहीं सकता क्योंकि उसके बीमार पापा को आठ रोज़ बाद नींद आई थी और डॉक्टर अंकल ने कहा था कि इन्हें नींद आ जाए तो किसी भी तरह बीच में टूटने ना पाए ।

3) अपनी माँ के बारे में श्लेष ने क्या बताया?

उत्तर - अपनी माँ के बारे में श्लेष ने बताया कि मम्मी को उसने देखा नहीं। उसके पापा कहते हैं कि वे बहुत पहले उन्हें छोड़कर ऐसी जगह चली गई है जहाँ से कोई वापस नहीं आता।

4) श्लेष ने चोर को आहिस्ते से समझाते हुए क्या कहा?

उत्तर- श्लेष ने चोर को आहिस्ते से समझाते हुए कहा कि वह ताला खोल देता है वह उसके घर से जो भी चीज ले जाना चाहे ले जा सकता है। ऊपर से कूदना अच्छा नहीं । दीवार पर काँच के टुकड़े लगे हुए हैं उसके पैर फिर जख्मी हो सकते हैं ।

5) चोर की आँखों में आँसू देख कर श्लेष ने क्या किया?

उत्तर- चोर की आँखों में आँसू देख कर श्लेष.अंदर से कैप्सूल,, ब्रेड के दो चार स्लाइस और एक गिलास पानी ले आया।

6) चोर श्लेष के पापा से क्या विनती करना चाहता था?

उत्तर - चोर श्लेष के पापा से यह विनती करना चाहता था कि यदि उनके घर से एक नौकर चोर बन कर भाग गया था और अब एक चोर आकर नौकर बन जाना चाहता है ।

लिखित

लघू उत्तरीय प्रश्न

1) श्लेष कितने वर्ष का बालक था ?
उत्तर - श्लेष आठ वर्ष का बालक था ।

2) श्लेष किसके लिए दौड़ कर स्टूल ले आया ?
उत्तर - श्लेष एक मानवकृति जो ऊँची काँचदार चारदीवारी से कूद कर अंदर आना चाह रही थी उसके लिए स्टूल ले आया।

3) श्लेष के पापा को कितने रोज बाद नींद आई थी ?
उत्तर श्लेष के पापा को आठ रोज बाद नींद आई थी ।

4) चोर किस से बुरी तरह पराजित होता गया ?
उत्तर चोर निश्चल बाल वृत्ति से पराजित होता चला गया ।

5) अब चोर श्लेष के घर आकर क्या बन जाना चाहता था ?
उत्तर अब वह चोर श्लेष के घर आकर नौकर बन जाना चाहता था

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नन

1)नीचे उतरा हुआ आदमी श्लेष के किस बात से ठगा सा रह गया ?
उत्तर - नीचे उतरा हुआ आदमी श्लेष की नेकी, बचपन, भोलेपन तथा सेवा भावना से ठगा सा रह गया । निश्चल बालवृत्ति से चोर अत्यन्त ही पसीज गया तथा उसके अंदर चोरी करने की भावना खत्म हो गई ।

2) आदमी श्लेष से अपने लिए कैसे व्यवहार की उम्मीद कर रहा था ?
उत्तर - आदमी श्लेष से उम्मीद कर रहा था कि उसे चिल्लाकर पूरे मोहल्ले को जगा देना चाहिए था । पर वह यह जानते हुए कि वह एक चोर है पर उसकी तकलीफ में मदद कर रहा था। उसे खाना और दवाई दे रहा था।

3) श्लेष ने ऐसा क्या बताया कि चोर भीतर से हिल गया ?
उत्तर- श्लेष ने बताया कि उसकी मां उसे छोड़कर वैसी जगह चली गई है जहाँ से कोई वापस नहीं आता । यह जानकर चोर भीतर से हिल गया ।

4) श्लेष ने चोर से माफी क्यों माँगी ?
उत्तर - श्लेष चोर के साथ अपने व्यवहार से निश्चिंत नहीं था । इस कारण उसने चोर से माफी माँगी कि यदि उसके व्यवहार से वह संतुष्ट नहीं है तो उसे माफ़ कर दे क्योंकि वह बच्चा है और बड़ों के साथ कैसा व्यवहार करें उसे ज्ञात नहीं है ।

5) चोर ने श्लेष को उसके व्यवहार के बारे में क्या बोला?
उत्तर - चोर ने श्लेष से कहा कि उसका व्यवहार काफी अच्छा है । बड़े-बड़े ऋषि मुनियों से भी बढ़कर उसका व्यवहार है । उसके अच्छे व्यवहार के कारण वह भी उसी घर में नौकर बनकर रहना चाहता है|